दुख-दर्द का साथी बन काम करें अफसर : सीएम

हिन्दुस्तान दिनांक- 13-08-14

कौशल विकास कार्यक्रम

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने नवनियुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को कहा कि आम लोगों को संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने बीडीओ के रूप में तैनात ग्रामीण विकास विभाग के इन पदाधिकारियों को गजटेड पदाधिकारी का दर्जा दिए जाने की घोषणा की। कहा कि गरीबों के बीच प्रशासक नहीं दुःख दर्द का साथी होकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री मंगलवार को अधिवेशन भवन सभागार में ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के बिना देश का विकास नहीं होगा। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का सर्वांगीण विकास हुआ है। इससे बिहार का नाम देश -विदेश में हुआ। जन शिकायतें जनता दरबार के माध्यम से मुख्यमंत्री व मंत्री तक पहुंच रही है, इनका समाधान प्रखंड व जिला स्तर पर ही होना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने प्रखंड कार्यालय व आवास के जीर्णोद्धार व निर्माण के लिए प्रति बीडीओ 10-10 लाख देने की भी घोषणा की।

मंगलवार को अधिवेशन भवन में कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, मंत्री नीतीश मिश्र व अन्य।

ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र ने कहा कि पदाधिकारी पारदर्शिता व उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें। उनके कार्यों का प्रतिमाह मूल्यांकन होगा। अच्छे कार्य करने वालों को मनचाही पोस्टिंग दी जाएगी। खराब प्रदर्शन करने वालों को सेवा से हटाने का भी निर्णय लिया जाएगा। पंचायती राज मंत्री डॉ. बिनोद प्रसाद यादव, सहकारिता मंत्री जय कुमार सिंह, कृषि विभाग के प्रधान सचिव व मुख्यमंत्री के ओएसडी अमृत लाल मीणा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव एसएम राजू ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मनरेगा आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर 497 नवनियुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर हार्वर्ड विश्वविद्यालय के चैरिटी ट्रायर मूर, प्रशिक्षक मनोज सिन्हा व राहुल कनबिंदी ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

ग्रामीण विकास मंत्री बधाई के पात्र : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पहली बार किसी कैडर के पदाधिकारियों के योगदान के पूर्व मुख्यमंत्री व मंत्रियों के साथ बातचीत हुई। इसके लिए ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र को बधाई के पात्र है। विकास का जो काम बाधित था, ये अधिकारी सक्षमतापूर्वक उसे करेंगे।